Registration Deed.





श्रीमती गौरवर्धन कुंवर पत्नी निवास
स्थान थाना रोड दानाबु कोर्ट थाना वकालत
वो सब रजिस्ट्री दानाबु कोर्ट जिला पक्षकार

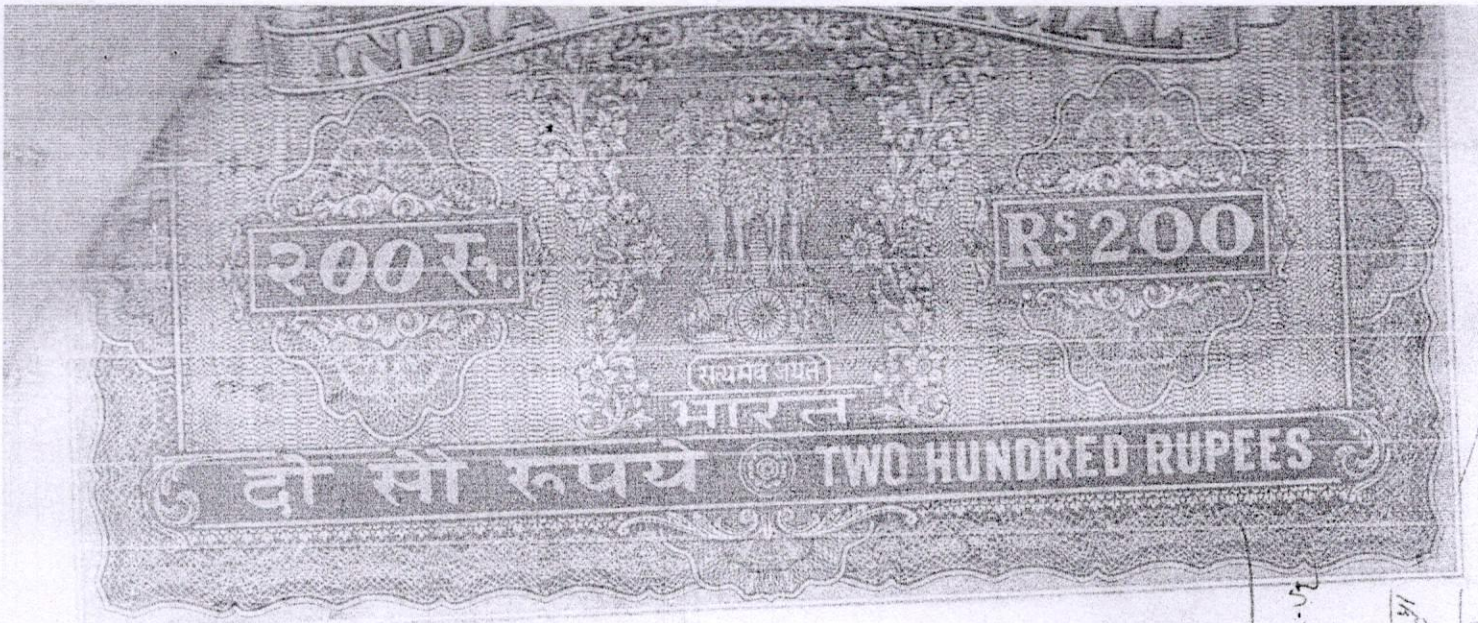
— पहली प्रथम पक्षकार —

(2) श्री मनोहर पुत्र स्व. बलद श्रीमती वसंत
लाल निवास स्थान सदर बाजार दानाबु
कोर्ट थाना दानाबु पक्षकार दानाबु
जिला पक्षकार — दूसरा पक्षकार —

(3) श्री मनोहर लाल गुप्ता बलद श्रीमती
वसंत लाल निवास स्थान बड़ी बहन
कचौरा थाना वो पक्षकार कचौरा
जिला पक्षकार — तृतीय पक्षकार —

(4) श्री नवरतन लाल पिता श्री नाम श्रीमती
वसंत लाल निवास स्थान सदर बाजार
दानाबु कोर्ट थाना वो पक्षकार दानाबु
जिला पक्षकार — चतुर्थ पक्षकार —

(5) श्री एच० वासुदेव पुत्र पिता श्री नाम
श्रीमती वसंत लाल निवास स्थान



२ नाम लेखन: आवास में (पनाम कुडुरेकि) धारी

३ लेखप्रमाण: करिवार कचवार धानि आपसी विभाजन पत्र (कच्चे में लिखित रूप)

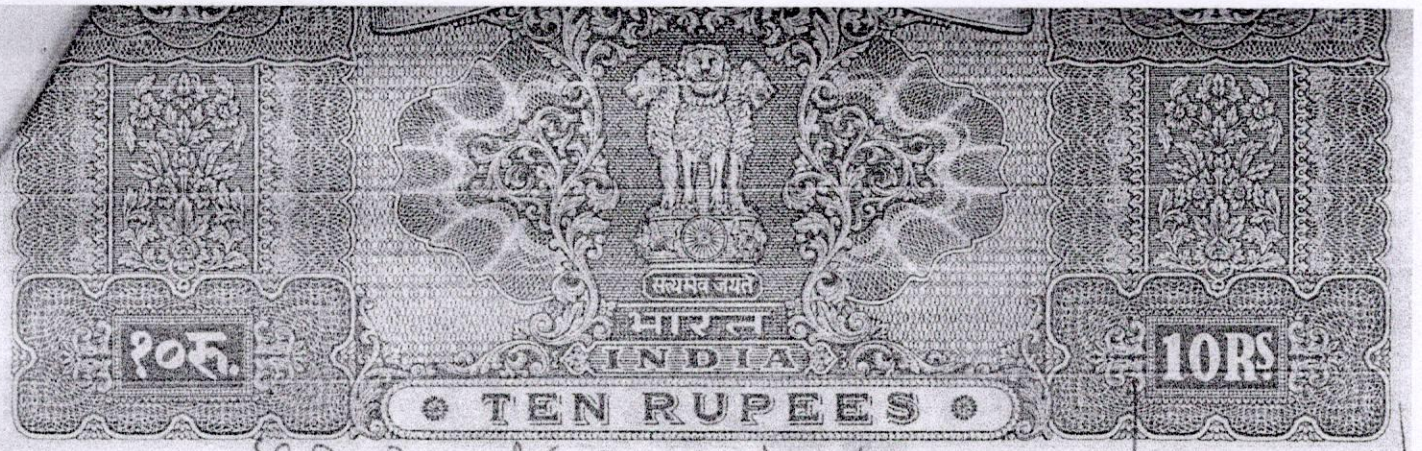
४ मूल्यांकन: जमीन नम्बर का मूल्य मो० २०००/- बीस हजार रुपया एवं जमीन नम्बर का मूल्य मो० २०००/- बीस हजार रुपया एवं जमीन नम्बर का मूल्य मो० २०००/- बीस हजार रुपया एवं जमीन नम्बर का मूल्य मो० २०००/- बीस हजार रुपया मात्र है।

५ सम्पत्तिका: अनुसूची सेदार 'क' जिसमें सेवंश सम्पत्ति का विवरण

सभी पक्षों के पास दस्तावेज मिलेगा। अनुसूची सेदार 'क' समस्त इजमाल सम्पत्ति का विभाजन है।

[illegible]

मचानी (१६) सोलह आना किस्त मुताबिक ३ (३) एवं ३ (तीन) मुताबिक



चौहद्दी मौजूद वादी के अन्दर दो मोहाना रोड़ दानाऊ कोट थाना दानाऊ एवं रजिस्ट्री दानाऊ जिला पकड़ में स्थित है।

लाट नं० 3

मकान (1/3 हिस्सा) अविभाजित हिस्सा मकान जिसमें साढ़े आना कितना मकान जिसका हौलोग नं० 2 वो 6 हो महाल नं० 1 (क) वार्ड नं० 8 (आठ) केन्टोनमेन्ट दानाऊ के अन्दर महल्ला थानारोड़ दानाऊ कलाना फुलवारी थाना वो एवं रजिस्ट्री दानाऊ सदर में रजिस्ट्री एवं जिला पकड़ में स्थित है।

लाट नं० 2

साढ़े छह आना कितना मकान जिसका हौलोग नं० 66 (छत्तहत्तर) वो 67 (अड़हत्तर) महाल नं० 1 (क) वार्ड नं० 4 (चार) दानाऊ केन्टोनमेन्ट के अन्दर महल्ला सदर थाना दानाऊ

रजिस्ट्री बोझिल पत्र में स्थित है।—

पक्षकार १

सोलह आना हक्की मकबूजा (१ बिस्वा
१० बइदा) ४ बिस्वा दस बइदा
जिसका प्लॉट नं० ४५५ एवं ४५५
जिसका (बाला सं० पर ३५ (पैंतीस)
टौकी सं० पर २०५ (दो सौ पाँच)
अरसी) सर्वे (थाना सं० पर २१२
(पावन) वाले मौजा बदलपुर परगना
फुलवारी थानांतर्गत सब रजिस्ट्री दानापुर
सदर रजिस्ट्री बोझिल पत्र वाले हैं।

पक्षकार २

सोलह आना पिता मकान कुरवार
का (बपड़ा पोश) जिसकी चौहद्दी नं० ४२
(अनहवन) महाल नं० १ (एक) खाई नं०
१ (एक) डालापुर के खैरात नंबर के अन्त
वाले मौजा पटिया फरदनापुर परगना
फुलवारी थानांतर्गत सब रजिस्ट्री दानापुर
सदर रजिस्ट्री बोझिल पत्र में स्थित है।

(1) दस्तावेज़ पेश करने का समय 12-2-22 (2) दस्तावेज़ की नकल 12-2-22 (3) दस्तावेज़ वापस किया गया 12-2-22 (4) दस्तावेज़ पेश करने का समय 12-2-22 (5) दस्तावेज़ की नकल 12-2-22 (6) दस्तावेज़ वापस किया गया 12-2-22

अनुसूची के भाग ख सम्पत्ति शेड्यूल बी प्रापर्टी

बी शेड्यूल में वर्णित सम्पत्ति सभी पक्षों से विभाजित होकर प्लेन्टिफ्स श्रीमती एलामुनी देवी एवं उनके सभी पुत्रों को एकमात्र गोपीधन कुवरदास के उत्तराधिकारी हैं, को प्राप्त हुआ (अर्थात प्लेन्टिफ्स द्वितीय पक्ष से कोई पक्ष कोई किसी किस्म का एलिनेशन चार्ज नहीं वसूल करेंगे) चौहद्दी निम्नवत है 20000/- बीसहजार रुपया मात्र है।

शेड्यूल

मवाजी (गढ़) गोण्डा जिला बिसवां परगना दो मेजिलर एडमिनिस्ट्रेटिव पोलिस थाना कुल इकाई हदूद अर्थात कुल चौहद्दीजात मौजा बाबू मौजा थाना रोड़ उनाऊ परगना मुरब्बा थाना वो सब रजिस्ट्री उनाऊ सदर रजिस्ट्री बाकिलाम पक्का जिसका चाउसेला ८ (चार) महाल से पाइ (दो) ईस्टोर्न से पाइ (दो) वो 2 (तीन) आंइस वक्त निरखा किशित हो सकता है —

उत्तर — उदियार सीमली — पूरीदार
पूरब — सड़क
दक्खिन — गाटी चाह अगाड़ीदार
पश्चिम — प्रसादवा

[illegible] 27-8-72

[illegible] 27-8-72

[illegible] 27-8-72

पक्ष को किसी तरीके से एकतरफा फैसला
वाली नहीं है वो गलती होगा जिसको
दूसरे को देखने का मौका दिया
गया।—

मजरूबी (पेड़) मौजूद कागज किला मकान
पोलादी मंजिला दलपोरा मजबूत
ईंट वो इकुड मय छप्पर एक मंजिला
मोतबरके मकान मजबूत वाके मौजा
एरा थाना उनाकु थाना वोसवर जिसे
उनाकी सदर सजिस्ट्री वोखिलाफका
लिहाजा वादे 4 (चार) सहाल से पन्ने
(एक) डेकोरेशन से मार्च 66 (सतहत्तर) वो
67 (अड़हत्तर) मोउस वक्त मिलाकर
एक किला मकान हो सकता है।—

उत्तर सड़क	दक्षिण डोगिर मावजर मकान	पश्चिम डोगिरसाव रु मकान	पूर्व शेष नागरेशी

अगरदी तेसरे वाद सम्पत्ति तथी पक्षों
ने विभाजित होकर कैलाशकारी मूलीय
पक्ष-बी मनोहर लाल गुप्ता को प्राप्त
हुआ। जिसने कैलाशकारी मजमकार
डिक्रीकर्ता एवंपतुर्ण वोपेक्षम पक्ष
को किसी किस्म

अ०२०००/- बीसहजार (एकमात्र है)
भवानी (५४३७७) पन्द्रहवटा [illegible]
वाले गाजा बदलदो हाल [illegible] वरामु-
ग्राम सबजपुरा थाना कुलेश्वरी थाना
बोसव राजिस्ट्रे थानाई सदरबन्दिस्टोबो
गिरफ्तार किया जिसकी बोली संवत २०२०
(बीस हजार) अस्सी थानासे संवत २१
सावन) पाव ३५ (पैतीस) पर्वी एक्सर
सो पर ~~[illegible]~~ (पाँच सौ पचपन) रु ६५५
(पाँच सौ पचपन) कर कं २१॥ ——

अ०	हथियार	श्रेणी	परिणाम
पीता	कर्बाइन	सकाण्ड	पार्टफोर्ट
वेमि	कुलेश्वरी	फ्रार्म	नम्बर ६५५
	सउ३८	सरक्ष	नवतन
			(पाँच)
			चतुर्थ
			कक्ष

अनुसूची से लगा यह सम्पत्ति सभी पक्षकारों के विभाजित होकर उनके अंश में आ रही है जिसमें किसी प्रकार का विवाद नहीं है। किसी पक्ष का कोई अंश नहीं है। जिसकी कीमत लगभग ₹80000/- बीस हजार रुपया मात्र है।

- मकान (२५ कट्ठा) पन्द्रह कट्ठा हवेली वाली मौजा बहलोर हाल मजरुआ ग्राम सिवाडीह थाना चुरुवरी थाना वो सब रजिस्ट्री बनाई सदर रजिस्ट्री वो किताब पक्का जिसका नौसो लेखा २८२० पेज इसी मस्ली थाना लेखा २२ (बावन) खतार लेखा ३२ (बत्तीस) सर्वे खसरा लेखा ८२४ (आठ सौ चौबीस) एवं ८२५ (आठ सौ पचीस) आकार ४ भाग सम्पत्ति की चौहद्दी दोरकी में विभाजित है। जिस लिखे 'क' और लिखे 'ख' के हकदार वादी/प्रतिवादी

उत्तर	दक्षिण	पश्चिम	पूरब
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

[illegible]

अनुसूची सेवा में यह सम्पत्ति तहसील
के विभाजित होकर फैजाबाद सदर तहसील
जज और ए० डी० वासुदेव प्रसाद के
प्राप्त हुआ जिसमें फैजाबाद शहर तथा
सम्बन्धित पक्ष के सदस्यों को किसी
प्रकार का एतराज नहीं है
वो नकली दीवाल जिसकी कुल लं०
१७०००/- बीसहजार रुपये मात्र है।—

मवाली (पट्टा) प्राप्तकर्ता जिला भवन
पो० कर्वी थाना चित्रकूट मजदूर
हक थे इकरारनामा अनुसार हमेशा
भोगबन्धक अमरूद बाग मौजा केदिया
उनको पाकर मुख्तियारी आना दो तब
रजिस्ट्री उनकी सदर रजिस्ट्री कोजिए
फिर दीवानी सेवा में (अनढाकन)
बाउंड्री ९ (नौ) फीट मजबूत (ईंट) सम्पत्ति
चौहद्दी (पड़ोस) आगे (ब) के रूप में दीवानी हो

उत्तर — दक्षिण — पूरब — पश्चिम

दीवानी — दीवाल — दीवाल — दीवाल

[illegible]

वाद की संख्या | वादी का नाम | प्रतिवादी का नाम | वादी के अधिवक्ता का नाम | प्रतिवादी के अधिवक्ता का नाम | वाद का प्रकार | वाद की संस्थापन तिथि | वाद की अंतिम तिथि | वाद का निर्णय

वाद की संख्या 1 | वादी का नाम: [illegible] | प्रतिवादी का नाम: [illegible] | वादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | प्रतिवादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | वाद का प्रकार: [illegible] | वाद की संस्थापन तिथि: [illegible] | वाद की अंतिम तिथि: [illegible] | वाद का निर्णय: [illegible]

वाद की संख्या 2 | वादी का नाम: [illegible] | प्रतिवादी का नाम: [illegible] | वादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | प्रतिवादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | वाद का प्रकार: [illegible] | वाद की संस्थापन तिथि: [illegible] | वाद की अंतिम तिथि: [illegible] | वाद का निर्णय: [illegible]

वाद की संख्या 3 | वादी का नाम: [illegible] | प्रतिवादी का नाम: [illegible] | वादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | प्रतिवादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | वाद का प्रकार: [illegible] | वाद की संस्थापन तिथि: [illegible] | वाद की अंतिम तिथि: [illegible] | वाद का निर्णय: [illegible]

वाद की संख्या 4 | वादी का नाम: [illegible] | प्रतिवादी का नाम: [illegible] | वादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | प्रतिवादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | वाद का प्रकार: [illegible] | वाद की संस्थापन तिथि: [illegible] | वाद की अंतिम तिथि: [illegible] | वाद का निर्णय: [illegible]

वाद की संख्या 5 | वादी का नाम: [illegible] | प्रतिवादी का नाम: [illegible] | वादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | प्रतिवादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | वाद का प्रकार: [illegible] | वाद की संस्थापन तिथि: [illegible] | वाद की अंतिम तिथि: [illegible] | वाद का निर्णय: [illegible]

वाद की संख्या 6 | वादी का नाम: [illegible] | प्रतिवादी का नाम: [illegible] | वादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | प्रतिवादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | वाद का प्रकार: [illegible] | वाद की संस्थापन तिथि: [illegible] | वाद की अंतिम तिथि: [illegible] | वाद का निर्णय: [illegible]

वाद की संख्या 7 | वादी का नाम: [illegible] | प्रतिवादी का नाम: [illegible] | वादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | प्रतिवादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | वाद का प्रकार: [illegible] | वाद की संस्थापन तिथि: [illegible] | वाद की अंतिम तिथि: [illegible] | वाद का निर्णय: [illegible]

वाद की संख्या 8 | वादी का नाम: [illegible] | प्रतिवादी का नाम: [illegible] | वादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | प्रतिवादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | वाद का प्रकार: [illegible] | वाद की संस्थापन तिथि: [illegible] | वाद की अंतिम तिथि: [illegible] | वाद का निर्णय: [illegible]

वाद की संख्या 9 | वादी का नाम: [illegible] | प्रतिवादी का नाम: [illegible] | वादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | प्रतिवादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | वाद का प्रकार: [illegible] | वाद की संस्थापन तिथि: [illegible] | वाद की अंतिम तिथि: [illegible] | वाद का निर्णय: [illegible]

वाद की संख्या 10 | वादी का नाम: [illegible] | प्रतिवादी का नाम: [illegible] | वादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | प्रतिवादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | वाद का प्रकार: [illegible] | वाद की संस्थापन तिथि: [illegible] | वाद की अंतिम तिथि: [illegible] | वाद का निर्णय: [illegible]

वाद की संख्या 11 | वादी का नाम: [illegible] | प्रतिवादी का नाम: [illegible] | वादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | प्रतिवादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | वाद का प्रकार: [illegible] | वाद की संस्थापन तिथि: [illegible] | वाद की अंतिम तिथि: [illegible] | वाद का निर्णय: [illegible]

वाद की संख्या 12 | वादी का नाम: [illegible] | प्रतिवादी का नाम: [illegible] | वादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | प्रतिवादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | वाद का प्रकार: [illegible] | वाद की संस्थापन तिथि: [illegible] | वाद की अंतिम तिथि: [illegible] | वाद का निर्णय: [illegible]

वाद की संख्या 13 | वादी का नाम: [illegible] | प्रतिवादी का नाम: [illegible] | वादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | प्रतिवादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | वाद का प्रकार: [illegible] | वाद की संस्थापन तिथि: [illegible] | वाद की अंतिम तिथि: [illegible] | वाद का निर्णय: [illegible]

वाद की संख्या 14 | वादी का नाम: [illegible] | प्रतिवादी का नाम: [illegible] | वादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | प्रतिवादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | वाद का प्रकार: [illegible] | वाद की संस्थापन तिथि: [illegible] | वाद की अंतिम तिथि: [illegible] | वाद का निर्णय: [illegible]

वाद की संख्या 15 | वादी का नाम: [illegible] | प्रतिवादी का नाम: [illegible] | वादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | प्रतिवादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | वाद का प्रकार: [illegible] | वाद की संस्थापन तिथि: [illegible] | वाद की अंतिम तिथि: [illegible] | वाद का निर्णय: [illegible]

वाद की संख्या 16 | वादी का नाम: [illegible] | प्रतिवादी का नाम: [illegible] | वादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | प्रतिवादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | वाद का प्रकार: [illegible] | वाद की संस्थापन तिथि: [illegible] | वाद की अंतिम तिथि: [illegible] | वाद का निर्णय: [illegible]

वाद की संख्या 17 | वादी का नाम: [illegible] | प्रतिवादी का नाम: [illegible] | वादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | प्रतिवादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | वाद का प्रकार: [illegible] | वाद की संस्थापन तिथि: [illegible] | वाद की अंतिम तिथि: [illegible] | वाद का निर्णय: [illegible]

वाद की संख्या 18 | वादी का नाम: [illegible] | प्रतिवादी का नाम: [illegible] | वादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | प्रतिवादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | वाद का प्रकार: [illegible] | वाद की संस्थापन तिथि: [illegible] | वाद की अंतिम तिथि: [illegible] | वाद का निर्णय: [illegible]

वाद की संख्या 19 | वादी का नाम: [illegible] | प्रतिवादी का नाम: [illegible] | वादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | प्रतिवादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | वाद का प्रकार: [illegible] | वाद की संस्थापन तिथि: [illegible] | वाद की अंतिम तिथि: [illegible] | वाद का निर्णय: [illegible]

वाद की संख्या 20 | वादी का नाम: [illegible] | प्रतिवादी का नाम: [illegible] | वादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | प्रतिवादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | वाद का प्रकार: [illegible] | वाद की संस्थापन तिथि: [illegible] | वाद की अंतिम तिथि: [illegible] | वाद का निर्णय: [illegible]

वाद की संख्या 21 | वादी का नाम: [illegible] | प्रतिवादी का नाम: [illegible] | वादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | प्रतिवादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | वाद का प्रकार: [illegible] | वाद की संस्थापन तिथि: [illegible] | वाद की अंतिम तिथि: [illegible] | वाद का निर्णय: [illegible]

वाद की संख्या 22 | वादी का नाम: [illegible] | प्रतिवादी का नाम: [illegible] | वादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | प्रतिवादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | वाद का प्रकार: [illegible] | वाद की संस्थापन तिथि: [illegible] | वाद की अंतिम तिथि: [illegible] | वाद का निर्णय: [illegible]

वाद की संख्या 23 | वादी का नाम: [illegible] | प्रतिवादी का नाम: [illegible] | वादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | प्रतिवादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | वाद का प्रकार: [illegible] | वाद की संस्थापन तिथि: [illegible] | वाद की अंतिम तिथि: [illegible] | वाद का निर्णय: [illegible]

वाद की संख्या 24 | वादी का नाम: [illegible] | प्रतिवादी का नाम: [illegible] | वादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | प्रतिवादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | वाद का प्रकार: [illegible] | वाद की संस्थापन तिथि: [illegible] | वाद की अंतिम तिथि: [illegible] | वाद का निर्णय: [illegible]

वाद की संख्या 25 | वादी का नाम: [illegible] | प्रतिवादी का नाम: [illegible] | वादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | प्रतिवादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | वाद का प्रकार: [illegible] | वाद की संस्थापन तिथि: [illegible] | वाद की अंतिम तिथि: [illegible] | वाद का निर्णय: [illegible]

वाद की संख्या 26 | वादी का नाम: [illegible] | प्रतिवादी का नाम: [illegible] | वादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | प्रतिवादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | वाद का प्रकार: [illegible] | वाद की संस्थापन तिथि: [illegible] | वाद की अंतिम तिथि: [illegible] | वाद का निर्णय: [illegible]

वाद की संख्या 27 | वादी का नाम: [illegible] | प्रतिवादी का नाम: [illegible] | वादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | प्रतिवादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | वाद का प्रकार: [illegible] | वाद की संस्थापन तिथि: [illegible] | वाद की अंतिम तिथि: [illegible] | वाद का निर्णय: [illegible]

वाद की संख्या 28 | वादी का नाम: [illegible] | प्रतिवादी का नाम: [illegible] | वादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | प्रतिवादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | वाद का प्रकार: [illegible] | वाद की संस्थापन तिथि: [illegible] | वाद की अंतिम तिथि: [illegible] | वाद का निर्णय: [illegible]

वाद की संख्या 29 | वादी का नाम: [illegible] | प्रतिवादी का नाम: [illegible] | वादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | प्रतिवादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | वाद का प्रकार: [illegible] | वाद की संस्थापन तिथि: [illegible] | वाद की अंतिम तिथि: [illegible] | वाद का निर्णय: [illegible]

वाद की संख्या 30 | वादी का नाम: [illegible] | प्रतिवादी का नाम: [illegible] | वादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | प्रतिवादी के अधिवक्ता का नाम: [illegible] | वाद का प्रकार: [illegible] | वाद की संस्थापन तिथि: [illegible] | वाद की अंतिम तिथि: [illegible] | वाद का निर्णय: [illegible]

यह कि खाने नं० ४ में दर्ज की गई सम्पत्ति जिसकी तफसील पर्चा नं० ४५६ चौ० ४ किता नं० ३५ ताबी २०२० थाना ४२ मौजा बदरौली परगना झंझवरी थाना दातागंज जिला बदायूं से मिस्त्री रमादेवी पत्नी स्व० मुरलीधर एवं स्व० मुरलीधर की अकेली एकतरफी वसीयत बाबत ०.०० रकबा जिसे ख० नं० ३१ मुख्तसर ख० नं० ३२५ व ३२७ एवं बढ़कर ०.०० रकबा जिसे ख० नं० ३१ मुख्तसर ख० नं० ३२० व ३२५ दिनांक २२-६-१९६५ वसीयत बाबत दातागंज परगना झंझवरी थाना दातागंज आबादी कस्बा बदरौली के अपने नाम दर्ज है। उस वसीयत के अनुसार खाने नं० ४ में दर्ज अंकुशी ख० नं० १५५ की सम्पत्ति श्री बसन्त लाल को तथा उक्त बाकी हिस्सा में जिसमें उक्त श्री बसन्तलाल का हिस्सा भी शामिल है। श्रीमती बसन्तलाल को अपने पति के बाद में उक्त की बसन्तलाल अपने पैतृक व्यवसाय के कार्य शादि के अलावा श्रीवर्धन हेतु उक्त सम्पत्ति को बेचने का अधिकार दिया है। पक्का तहसीलदार का पत्र ये वसीयत के अनुसार श्रीमती बसन्तलाल को दिया है।

श्रीमती बसन्तलाल

~~श्रीमती बसन्तलाल~~

श्रीमती बसन्तलाल

~~श्रीमती बसन्तलाल~~

श्रीमती बसन्तलाल

यह कि कैलाशदेवी का जाना पीना एवं रहन सहन का खर्चा काफी पहले से अलग अलग होता रहा है। तथा इसलिए आपसी सहमति से वादग्रस्त भूमि के हिस्से की सम्पत्ति हो गयी है। तथा इसलिए सम्पत्ति हस्तगत आदेश में कैलाशदेवी का कोई हिस्सा नहीं है।

अतएव कैलाशदेवी के अपने बयान में कोई भी बयान अक्षरशः दुरुस्त नहीं है तथा वादग्रस्त सम्पत्ति के बारे में कोई अपने सुविधानुसार एवं अपनी सहूलियत से पहले आदि कैसा आपस में कुछ अदला बदली कर लेने के लिए तो किसी विभाजन पत्र बगैरह एक दूसरे के लिए तो किसी हस्तक्षेप नहीं किया।

यह कि श्री बसंत लाल के समस्त सम्पत्ति को कैलाशदेवी ने पाँच बराबर भागों में विभाजित किया तथा हर भाग में अलग अलग तीन सौ गज में वर्णित सम्पत्ति कैलाशदेवी प्रत्यावेदिका एवं अनुसूची तीन में वर्णित सम्पत्ति कैलाशदेवी डूंगरपुरा को तथा अनुसूची तीन के भाग 3 में वर्णित सम्पत्ति कैलाशदेवी डूंगरपुरा को

पक्षकार एवं अरुसूची [illegible] में वर्णित सम्पत्ति हकैलाकारी वेचान पक्ष को प्राप्त हुआ तथा इस प्रकार किसी सम्पत्ति पर एक दूसरे के उनके लाभ हक को कबूल की मंजूरी दिया।

यह कि हा पक्ष अपने अपने अंश बटे हुए सम्पत्ति का बंटवारा एक दूसरे के पृथक रूप से विभाजित कीकर दोनों को देंगे। वा अपनी अपनी इच्छानुसार अपने बटे हुए आवास को अपने अपने उपयोग में लावेंगे।

यह कि हा पक्ष अपने अपने बटे हुए सम्पत्ति का विभाजित कीकर होने का बोर्ड अपना अपना नाम बिहा सहमत के संयुक्त अधीक्षण पर जहां जहां आवश्यक हो वहां स्थापित करावेंगे। इस में किसी पक्षकार एक दूसरे से कोई विवाद नहीं होगा।

यह कि हकैलाकारी का वेचानी वाले अंशों का बटवारा पहले से अलग अलग होचुका है तथा आज के बाद उपरोक्त सम्पत्ति के अलावा कोई अन्य सम्पत्ति आ किसी हकैलाकारी पक्ष के

कोई इकरार आदि पक्ष नहीं करेंगे।——

यह कि आज के दिन से सभी पक्ष विभाजित हिन्दू परिवार के स्वतंत्र सदस्य रहेंगे।

यह कि दोनों पक्षकार अपना पूर्ण एवं असली भरण के उत्तराधिकारी वारिस्थापन्न एवं प्रतिनिधि है भी है।

यह कि अदालती कार्यवाही संबंधी मुकदमा सम्पत्ति का प्रत्यक्ष पक्ष से वेपक्षकार के सभी उत्तराधिकारियों का पूर्ण सहमति व्यक्त होकर एक दूसरे के हक को कबूल वा मंजूर किया तथा वैसे अधिकार का अपना हलफिया बयान के लिए ताकि आगे में कोई भी दावा न उठा सके और नहीं कोर्ट कचहरी में कोई भी दावा

यह कि उपरोक्त सभी निर्णय सभी पक्ष एवं एक दूसरे से लेकर जाना आपसी और सहमति से स्वीकृत किया है इसके पक्ष में सम्पत्ति किसी किस्म का उजर वो एतराज नहीं करेंगे। यदि किसी गलत बयान से किसी किसी का कोई हक [illegible]

(10) [illegible]
(9) [illegible]
(8) [illegible]
(7) [illegible]
(6) [illegible]
(5) [illegible]

तो उनके द्वारा की गई दस्तावेजों की विधिवत
कटवाने के संदर्भ में शपथनी को लाजमी
होगा वो किसी भी दिवानी या फौजदारी अदालत
में गवाही देने के योग्य नहीं होगा।

यह कि उपरोक्त कटवारा लेखपाल
के आपसी मतभेद एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण
समझौता के आधार पर किया गया है।

हस्ताक्षर

Rajni (१९) वादिनी अदालत सुश्री
Date 12th day of July 1984

Mutation order

Vol. XIV—F. No. 160V. [illegible]

रसीद मालगुजारी ।	फरद मालकी/फरद रैयती ।
बाब सर्कल । बाब मौजा वगै	बाब रैयत वगै वल्लियात जमाबन्दी
थाना वो थाना नम्बर ।	वो सकूनत । नम्बर ।
हानपुर | अदलपुर | 52	नवरतन लाल

V

512

240575

बराजी नगदी	बराजी भावली	तफसील हिसाब लगान भावली ।
0-15-0 फसी |	2946. | सकल लाल वगैरह वगैरा

जोत का सालाना मांग मय तफसील (बकाया वो हाल) मौजूदा साल का ।

2017-18 मांग बाबत	सालाना	बकाया				हाल
		तीन वर्ष से ज्यादा ।	३रा वर्ष ।	२रा वर्ष ।	१ला वर्ष ।	
माल- गुजारी (नगदी)	५ ∞					५ ∞
माल- गुजारी (भावली)	५ ∞					५ ∞
सेस ...	५ ∞					५ ∞
*सूद ...	५ ∞					५ ∞
मुतफरकात ...	५ ∞					५ ∞
मीजान	२५ ∞					२५ ∞

2nd 35
4th 454
455

तफसील अदायकारी ।

2017-18 अदायकारी बाबत ।	बकाया				मोतावल हाल ।	फाजिल
	तीन वर्ष से ज्यादा ।	३रा वर्ष ।	२रा वर्ष ।	१ला वर्ष ।		
माल- गुजारी (नकदी)					५ ∞	
माल- गुजारी (भावली)					५ ∞	
सेस ...					५ ∞	
*सूद ...					५ ∞	
मुतफरकात ...					५ ∞	
मीजान अदायकारी					२५ ∞	-

25-0

(१) मीजान कुल (लफ्जों में)— पच्चीस रुपया मात्र

(२) साल देहिन्दा — २५

(३) कुल बकाया — ∅

बकाया के तारीख अमल तहसील करनिन्दा

*साल पहले का बकाया मालगुजारी पर सिवाय ऐसे असामियों पर जिन पर कि डिक्रियेट जारी हो) सूद नहीं लिया जाता है ।

31/7/18

अनुसूची १८—फारम सं० ३५२ आदेश-पत्रक शिविर

(देखें अभिलेख हस्तक, १९४१ का नियम १२६)

आदेश पत्रक ता०----से----तक

जिला----से---- 3974 | 1994-95

केस का प्रकार दा० सा० बाद सं०----सन्

आदेश की क्रम-संख्या और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी जहाँ अपेक्षित हो
9.6.94	आज दिनांक----को राजस्व कार्य के निमित्त के, मौजा---थाना---- ने निम्नलिखित जमीन का सर्वेक्षण हेतु आवेदन-पत्र दिया है जिसे वसीका संख्या---दिनांक---प्रति से इन्होंने ---जिला---- से क्रय किया है।	

जमीन विवरण

मौजा	थाना	तौजी थाना नं०	खाता सं०	खेसरा सं०	रकबा	चौहद्दी का नाम एवं वसीका सं०

केस में उपस्थित मंडलीय राजस्व कर्मचारी/सं० और अंचल निरीक्षक से आवेदित जमीन के सम्बन्ध में स्थानीय तौर पर और राजस्व दस्तावेजों से जाँच कराई गई।

जाँच प्रतिवेदन के अनुसार आवेदित जमीन :—

(१) रेवती है।

(२) आवेदक के पूर्ण दखल में है।

(३) जमाबन्दी ---- आवेदक के नाम है।

आदेश की क्रम-संख्या और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1.	इनकी अनुशंसा नामांकन हेतु है। कैम्प में उपस्थित व्यक्तियों ने नामांकन पर किसी प्रकार की आपत्ति नहीं की है। अतः प्राप्त प्रतिवेदन और अनुशंसा से सहमत होकर आवेदक पक्ष के नामांकन की ..... [illegible] की जाती है। बुद्धि-पत्र दो प्रतियों में हस्ताक्षर किया। दो प्रति सादर आवेदकों को दे जो एक प्रति अनुपालन के बाद एक पक्ष में वापस कर दें। अवर अधिकारी, दानापुर हस्ताक्षरित अंचल-अधिकारी दानापुर	

(Dated) Danapur (Bihar)
16.12.95
